(c) whether the Central Water and Power Commission and Planning Commission have accorded approval to the Project ; if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (DR. K. L. RAO) : (a) to (c). The Khadkei irrigation project, recently proposed by the Government of Orissa, envisages irrigation of 8,900 hectares and water supply to Ferro Vanadium Factory. The scheme is under technical examination in the Central Water and Power Commission.

Increase in duty-free quota for Indian Handloom export to U. K.
*858. SHRI NIHAR LASKAR : SHRI C. K. CHANDRAPPAN :

Will the Ministel of FOREIGN TRADE be pleased to state :
(a) whether the British Government have agreed to increase the duty free quota for Indian handloom export from one million to eight million square yards;
(b) if so, the salient features of the decision announced by the U. K. Government in this regard; and
(c) whether the new quota is considered reasonable against past export performance?

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE (SHRI L. N. MISIHRA): (a) to (c). Against the export of 7.8 million square yards of cotton handloom goods to U. K. during 1970-71, the U. K. authorities have offered to allow duty free import of 8 million square yards of cotton handloom goods in 1972. They have, however, not agreed to duty free import of towels and bedsheets. The offer is under considrration.

## New Railway Line between Kovvur and Kothagudem (South Central Railway)

*859. SHRI K. RAMA KRISHNA REIDDY : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :
(a) whether any survey has been made to lay new Railway line between Kovvur and Kothagudem in South Central Railway ; and
(b) if not, whether the survey will take place this year?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI K. HANUMANTHAIYA) : (a) Yes, Sir.
(b) Does not arise.

## भारत और फान्स के बीच ख्यापार करार

## *860. उा० लक्मीनारायण पष्डेय : बी महाबीपक सेंह जाकय :

क्या बिदेशा व्यापार मंत्री यह् बताने की क्षपा करेंगे कि :
(क) क्या भारत और फान्स के बीच हाल में दो व्यापार करागों पर ह्साक्षर हुए हैं ; और
(ख) यदि हां, तो उनकी मुखूय बातों क्या हैं ?

बिदेक्श ध्यापार मंभी ( शी एल० एन: मिभ) : (क) और (ख). भारत और फान्म के बीच किसी ब्यापार करार पर तो हाल मे हस्ताक्षर नहीं किये गये । 24 मार्च, 1972 को पेगिस में भाग्त और फान्स के बीच एन संलख पर हस्ताक्षर हुए थे जिसके अनुसा ठ्रापार प्रबन्ध को 1 जनवरी, 1972 से 31 द्रिसेम्बग, 1972 तक की एक वर्ष की अतिरिकत अवधि के लिए बढ़ाया गया है संलेख की प्रमुख बानें ये हैं :
(क) फान्स सरकार भारत त्वारा प्रस्ताविन भारत-फान्स वाणिज्यिक निल 14 कार्यंऋ्रम को क्रियान्वित कग्ने के लिए सह्मत हो गई है ।
(ख) फान्स मरकार भारत में स्थापिन भारत-फान्स संयुक्न उघ्यमों के निर्यात निष्पादन को बढ़ाने मे भारत की सह्यायता करने के लिये सह्मत हो गंद्व है।
(ग) फान्स सरकार फान्सीसी ब्यापार मेलो/गदर्शनियों में भारत के भाग लेने के लिए तकनीकी सहायता प्रवान करने हेतु सहमत हो गदं है।

